

यूपी में विश्वस्तरीय 20 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनेंगे

■ विनोद पांडेय

लखनऊ। यूपी में उद्योगों तथा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विश्वस्तरीय 20 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना होगी। अगले पांच वर्षों में यह काम करने लगेंगे। इसका मकसद नई प्रौद्योगिकी से राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय जरूरत के मुताबिक उत्पाद तैयार करना है। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति 2026 में कई नए और बड़े प्रावधान किए गए हैं। नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉक चेन, एडिटिव मैनुफैक्चरिंग, एयरोस्पेस, डिफेंस मैनुफैक्चरिंग, एजुकेशन, हेल्थ टेक्नोलॉजी तथा सामाजिक या राष्ट्रीय महत्व के अन्य क्षेत्रों से जुड़े 50 सबसे बेहतर उत्पाद आधारित स्टार्टअप को स्थान दिया जाएगा। सेंटर



ऑफ एक्सीलेंस चयनित स्टार्टअप के लिए इंक्यूबेशन, कोवर्किंग स्पेस, उत्पाद परीक्षण प्रयोगशाला, हार्डवेयर कंप्यूटर जैसी सुविधाएं मुहैया कराएंगे। सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों, प्रबंधन संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास संगठन, कार्पोरेट, उद्योग संघ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित कर सकेंगे।

वेबपोर्टल पर बुनियादी जानकारी

इसके लिए राज्य सरकार StartinUP नामक वेब पोर्टल तैयार करेगी। इस पर सभी बुनियादी जानकारी उपलब्ध होगी। इसी पोर्टल के जरिए आवेदन से लेकर मेंटरशिप, इंक्यूबेशन, वित्तीय मदद उपलब्ध होगी। प्रदेश सरकार ने स्टार्टअप को वित्तीय मदद के लिए 1000 करोड़ का यूपी स्टार्टअप कोष बनाया है। इसके जरिए राज्य सरकार प्रदेश के सभी क्षेत्रों में नवोन्मेषी विचारों को बढ़ावा देने वाले स्टार्टअप में निवेश करेगी। इसके अलावा राज्य सरकार नए स्टार्टअप को एमएसएमई की तरह बैंकों से ऋण सुविधाएं मुहैया कराएगी। इसके लिए लीड बैंक समेत अन्य बैंकों के साथ एक एमओयू किया जाएगा।

टॉप 50 स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा: प्रदेश में बड़े पैमाने पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन जाने से इंजीनियरिंग संस्थानों में पढ़ाई कर रहे छात्रों, रिसर्च स्कॉलर्स को प्रोत्साहित करेंगे। वह अपने आइडिया को स्टार्टअप में बदल सकेंगे। यहां मेंटरशिप, इंक्यूबेशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। टॉप 50 स्टार्टअप के

कामर्शियल उत्पादन, कंपनी निर्माण, पेटेंट जैसी सुविधाएं मुहैया कराने में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मददगार बनेंगे। स्टार्टअप इकोसिस्टम में इंक्यूबेटर सबसे महत्वपूर्ण है। इन्हें सरकारी या निजी संस्थानों में स्थापित सेंटर के जरिए स्टार्टअप कंपनियों को शुरुआती चरणों में मदद तथा बिजनेस मॉडल विकसित करने में मदद दी जाएगी।

एमएसएमई को लगेंगे पंख

राज्य सरकार इस बात की कोशिश कर रही है कि युवा इंजीनियर रोजगार मांगने वाले के बजाय रोजगार देने वाले बनें। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसी रणनीति का हिस्सा है। तकनीकी संस्थानों में सैकड़ों युवा अपने विचार को स्टार्टअप में इसलिए नहीं तब्दील कर पाते कि उनके सामने मेंटरशिप से लेकर कंपनी गठन तथा वित्तीय संकट तक होता है। नई तकनीक का कंसेप्ट तो दे देते हैं, लेकिन उन्हें उत्पाद में तब्दील नहीं कर पाते। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बन जाने से अच्छे आइडिया स्टार्टअप में तब्दील हो सकेंगे। छोटी-छोटी औद्योगिक इकाइयां लग जाने से सैकड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही नई रिसर्च, नवाचार का कामर्शियल उत्पादन शुरू हो सकेगा।